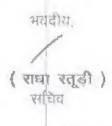
## उत्तरांचल शासन समाज कल्याण अनुभाग-1 संख्या- क्रिश्ठ / xvII(1)-1 / 2006-2ब(13) / 2005 देहरादून, दिनांकः ७ ( क्ल्स्क्स), 2006

## कार्यालय ज्ञाप

उत्तरीयल शासन, वित्त अनुभाग-3 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-419/XXVII(3)/2005 दिनांक 13 रितम्बर, 2005, जो कि वंतन सिमित (1997-1999) की संस्तृतियों के क्रम में लेखा संवर्ग एवं लेखा परीक्षा रावर्ग के वेतनमानों में सशीधन विषयक है, के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत सिचवालय स्तर पर स्थापित समाज कल्याण नियोजन प्रकोध में शासनादेश संख्या-645/04-11(एस सी)पी/टीएसपी)/2003, दिनांक 17 मार्च, 2004 में ढांचे के अन्य पदी के साथ सुजित लेखाकार पद पर निम्नांकित तालिका के अनुसार पद सृजन के दिनांक से युनशक्षित/उच्चीकृत वेतनमान दिये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:

क्रमांक	वर्तमान पदनाम	01-01-1996 से लागू सामान्य पुनरीक्षित वेतनमान	पद सृजन की तिथि से लागू संशोधित वेतनमान
1	लेखाकार	₹, 5000-150-8000	₩ 6500-175-9000

- 2— उपरोक्तानुसार संशोधित / उच्छीकृत वेतनमान में येतन निर्धारण कितीय नियम संग्रह खण्ड-2, भाग-2 से 4 के मूल नियम-22 के नीचे अकित सम्परीक्षा अनुदेश-4 के अनुसार किया जायेगा। यदि किसी यर्मचारी / अधिकारी का वेतन निर्धारण उसके द्वारा पूर्व आहरित वेतन से निम्न स्तर पर धोता है तो अत्तर की धनसाशि उसे वैयक्तिक रूप से अनुमन्य करते हुए उसका पूर्व वेतन संरक्षित किया जायेगा तथा वैयक्तिक की धनसाशि का समायोजन आगामी वेतन वृद्धि में कर लिया जायेगा।
- उपरोक्तानुसार सम्बन्धित पद घारक को मूल नियम-23(1) के अन्तर्गत विकल्प का भी अधिकार होगा अर्थात वह दिनाक 01-04-2001 अथवा वर्तमान वेतनमान में किसी अनुवर्ती/वेतन वृद्धि की तिथि से संशोधित वेतनमान का विकल्प दे संकता है। विकल्प देने की स्थिति इस शासनादेश के निर्गत होने की तिथि से 90 दिन की अवधि तक होगी। उक्त अवधि के अन्त तक विकल्प न देने की दशा में यह मान लिया जायेगा कि पात्र कर्मधारी द्वारा इस शासनादेश के निर्गत होने की तिथि से विकल्प दिया गया है।
- 4— इस शासनादेश द्वारा पुनरीक्षित चेतनमान का घद के सृजन से 31 अगस्त, 2005 तक की देय समस्त अवशेष धनराशि सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के सामान्य भिष्णा निधि त्याते में जमा की जायेगी और यदि कोई अधिकारी/कर्मचारी सामान्य मंदिष्य निधि खाते का सदस्य नहीं है तो उसे उक्त अवशेष धनराशि राष्ट्रीय क्यत पत्र के रूप में दी जायेगी। जो अधिकारी/कर्मचारी इस अवधि में सेवानिवृत्त हो गये हो, उनको अवशेष की सम्पूर्ण धनराशि का मुगतान नगद किया उसयेगा।
- 5- यह आदेश पत्रावली पर प्राप्त विस्त विभाग की सहमति दिनाक 07-2-2006 से निर्गत किये जा को है।



(हमर्ग)

PHATT GO to de

## संख्या:- 340 (1)/XVII(1)-1/05-2व(13)/2005/तद्विनाक ।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित -

- 1 महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3. वित्त अनुभाग-3/7.
- ् निर्देशक, एन.आई.सी., उत्तरांचल एकक, सविवालय पश्सिर, देहरादून।
- 5. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- **६**, वित्तं अधिकारी, संविवालय प्रशासन।
- 7. गार्ड फाईल ।

उगाइम से . रिस्कर्सन ) अपने सचिव